"श्री हरिः"

आदित्य सक्सैना,

द्वारा श्रीमती कनक सक्सैना
१७१-ए, आबूलेन,
मेरठ कैन्ट - २५०००१
फोन-(०१२१) २६६०१२२
Email: sinha.swadhyay@gmail.com

दिनांक : १५.११.२०१३

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे। हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे।।

आदरणीय जपकर्ता,

जय जय राधे श्याम। गीताप्रेस गोरखपुर की मासिक पत्रिका 'कल्याण' में प्रतिवर्ष **कार्तिक पूर्णिमा से चैत्र पूर्णिमा** तक उपरोक्त षोडशाक्षरमंत्र जप के वार्षिक अनुष्ठान की अपील प्रकाशित की जाती है। इस वर्ष इस अनुष्ठान की अवधि **१७ नवम्बर, २०१३ से १५ अप्रैल २०१४** तक होगी।

१. जैसा कि पिछले वर्ष के पत्र मे उल्लिखित किया गया था, इस अनुष्ठान का आरम्भ परम पूज्य बाबूजी (श्री हनुमानप्रसाद पोद्दार 'भाईजी') ने कराया था। **अतः इसके रूप में आज भी परम पूज्य बाबूजी की असीम कृपाशक्ति उन सभी साधकों के लिये उपलब्ध है जो इस सामूहिक अनुष्ठान में सम्मिलित होते हैं।**

२. इस पत्र के साथ श्रीतुलसीदासजी का एक प्रसिद्ध दोहा भी भेजा जा रहा है। इसकी ओर संकेत करके पूज्य नानाजी (श्री धर्मेन्द्र मोहन सिन्हा) सभी को प्रोत्साहित करते कि यदि कुसंग का त्याग किया जाए और नाम-जप का अभ्यास दृढ़ता से पकड़ा जाए, तो अनेका. जन्मा. की बिगड़ी हुई स्थिति का सुधार **तुरन्त ही** किया जा सकता है। इसके अन्तर्गत पूर्वकृत पापों और उनके फलरूप अशुभ परिस्थितियों से मुक्ति, अन्तःकरण की निर्मलता और भगवान् के चरणों में अनुराग - इन सभी की प्राप्ति भगवन्नाम के **प्रत्येक** उच्चारण से होती है।

३. 'आस्तिकता की आधारशिलायें', पृ. ७४-७५ में इसी सिद्धान्त पर प्रकाश डालते हुए परम पूज्य श्री राधा बाबा के वचन हैं - ***'यह सर्वथा सत्य है कि आप के मुख से निकलता हुआ प्रत्येक नाम आपको भगवान् से संयुक्त करा देता है।*** *... नाम स्मरण से आपके अन्तःकरण का मल झड़ रहा है, शुद्ध अन्तःकरण से जिस दिन एक नाम का भी स्पर्श हुआ कि भगवान् सामने आ जायेंगे। अतः लेते जाइये भगवान् का नाम और बिना किसी घबराहट से बढ़ चलिये। प्रभु सहायक हैं।'* पूज्य बाबा के इस प्रेम भरे आश्वासन से प्रेरित होकर गीता गोष्ठियों से जुड़े परिवारों व समस्त जपकर्ताओं से अनुरोध है कि अत्यन्त उत्साह से षोडश-जप के इस अनुष्ठान में अपना योगदान अवश्य दें।

४. "कल्याण" में छपी सूचना के अनुसार गत वर्ष कुल ७१,२४,८३,०००(इकहत्तर करोड़ चौबीस लाख तिरासी हजार) मंत्र जप हुआ। इसमें पूज्य 'नानाजी' के परिकर से सम्बन्धित जपकर्ताओं ने भगवत्कृपा से १०,५०,००,००० (दस करोड़ पचास लाख) जप भेजा। हमारा प्रस्तावित जप ९,००,००,००० (नौ करोड़) था व पूर्ति उससे १,५०,००,००० (एक करोड पचास लाख) अधिक हुई।

५. सभी के उत्साहपूर्ण योगदान से प्रेरित होकर इस वर्ष हमारे परिकर की ओर से मंत्र जप संख्या का लक्ष्य ११,००,००,००० (ग्यारह करोड़) रखने का प्रस्ताव है।

६. **इसके लिये सविनय अनुरोध है कि जो भी षोडश की माला संख्या आपने पिछले वर्ष प्रस्तुत की थी, उसमें वृद्धि अवश्य करें। साथ ही, जपकर्ताओं की संख्या भी बढ़ाएँ।** इसके अन्तर्गत अपने परिवार में, सम्बन्धियों में एवं मित्रवर्ग में नाम-जप का प्रचार-प्रसार करें और उन्हें प्रेरित करें कि वे भी जपमाला से निश्चित संख्या में नियमित नामजप करें। इस सम्बन्ध में पूज्य नानाजी द्वारा कुछ आधारभूत सिद्धान्त तथा परम पूज्य बाबूजी एवं परम पूज्य राधा बाबा के वचनों के कुछ उपयोगी उद्धरण 'आनन्द यात्रा' (भाग-१) में 'III - साधनात्मक विषय' शीर्षक के अन्तर्गत लेखों में प्रस्तुत हैं।

७. यदि अनुष्ठान प्रारम्भ होने की तिथि के कुछ सप्ताह अथवा महीने बाद भी कोई नये सदस्य इस अनुष्ठान में सम्मिलित होना चाहें, तो विलम्ब की चिन्ता न करके उन्हें इस दिशा में अवश्य प्रेरित करें तथा अनुष्ठान समाप्ति की तिथि तक उनके द्वारा की गयी जप संख्या की सूचना भी हमें साथ ही भेजें।

८. सभी गोष्ठीकर्ताओं से अनुरोध है कि वे अपनी गोष्ठियों में इस पत्र को पढ़ कर आगामी अनुष्ठान के लिए **अपनी तथा गोष्ठियों में सम्मिलित सदस्यों की प्रतिदिन की प्रस्तावित जप माला संख्या क्या होगी, इसकी सूचना रविवार दिनांक १७.११.२०१३ तक अवश्य बताने का कष्ट करें।**

९. **प्रस्तावित जप माला संख्या की यह सूचना अपने-अपने गोष्ठि-संचालकों को ही लिखवाने का कष्ट करें।** यदि किसी भी कारणवश गोष्ठि-संचालकों से सम्पर्क न हो सके, केवल उस परिस्थिती में आप यह सूचना निम्नांकित ई-मेल पते पर भेज सकते हैं - **sinha.swadhyay@gmail.com** अथवा दूरभाष द्वारा निम्नांकित नम्बरों पर संजय भैया को बता सकते हैं -

०१२१-२६६०१२२ (0121-2660122)

०९८९७२३१५१० (09897231510)

परम पूज्य बाबूजी की इस कृपाभरी व्यवस्था का पूर्ण लाभ हम सब उठा सकें, इसी मंगल कामना सहित,

विनीत,

आदित्य सक्सैना